प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान में समन्वय कर बनाएं समग्र विकास की राहः राज्यपाल

जयपुर,वेब वार्ता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्राचीन भारत में आठ लाख गुरुकुल थे। इनमें व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाता था। गुरुकुल में समग्र जीवन से जुड़ा ज्ञान विद्यार्थियों को मिलता था। इसमें नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया गया था। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति प्राचीन ज्ञान से आधुनिक विज्ञान के विकास के समन्वय से भारत के सर्वांगीण विकास से जुड़ी है।

बागडे सोमवार को पूर्णिमा विश्वविद्यालय में विद्याभारती के सहयोग से आयोजित 'भारतीय ज्ञान परंपरा-पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार' विषयक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने 16 वीं शताब्दी में महाराणा प्रताप के दरबारी लेखक चक्रपाणी मिश्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने 'विश्व वल्लभ' ग्रन्थ लिखा। इसमें भू जल की खोज, मौसम की भविष्यवाणी, जल शुद्धिकरण, कुंड निर्माण, बावड़ियां और पर्यावरण संरक्षण की विरल जानकारिया हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रन्थ बागवानी, वृक्ष से संबंधित बीमारियां, उन्हें दूर करने के उपायों, कृषि वानिकी आदि की उन्नत तकनीक पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां लिए है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा की यही विशेषता रही है कि वह युगीन संदर्भों में ऐसी उपयोगी तकनीक से जुड़ी थी, जिसे आज आधुनिक विज्ञान कहा जा रहा है।उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से वैदिक परंपरा थी। हमारे यहां शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों पर आधारित नहीं थी बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास से जुड़ी रही है। इसमें नैतिकता को सबसे अधिक प्रमुखता दी गई थी। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने भी गुरुकुल शिक्षा पद्धति से शिक्षा पाई। इसी से वह मर्यादा पुरुषोत्तम हुए। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने दशरथ से राम को आश्रमों में राक्षसों के उत्पात से बचाने के लिए मांग लिया था। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने ही सिखाया कि हिंसा का प्रतिकार कई बार जब उसी भाषा में नहीं दिया जाता तो हिंसा से ग्रस्त डरपोक समाज बनता है। हिंसा का प्रतिकार ही हमारे यहां अहिंसा का सर्वोत्तम मार्ग है।राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजो ने जब देश पर शासन किया तब जो गजेटियर निकाले उनमें यह सामने आया कि हमारे देश में 8 लाख गुरुकुल थे। भारत तब बहुत बड़ा था। पाकिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका आदि भारत में ही थे। गुरुकुल में शिक्षा निशुल्क थी। इनका खर्च आम जन के सहयोग से निकलता था। प्राचीन शिक्षा में ज्ञान मौखिक रूप में अधिक प्रचलित था। श्रुति परंपरा के साथ शिष्य ज्ञान का श्रवण करते थे। उस पर चिंतन और मनन करते थे। व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाएं थी। इनका ज्ञान विधार्थी पाते थे। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में समग्र ज्ञान दिया जाता था। शिक्षा कौशल से जुड़ी थी। उन्होंने रणकपुर के जैन मंदिरों का उदाहरण देते हुए कहा कि शिल्प में यह इसीलिए अद्वितीय है कि इसका निर्माण कला कौशल से हुआ था।राज्यपाल ने कहा कि लार्ड मैकाले ने इसीलिए भारत की शिक्षा पद्धति बदली कि यहां तब नैतिकता प्रबल थी। समृद्ध विरासत थी। अंग्रेजों ने इसलिए यह तरकीब निकाली की देश की शिक्षा पद्धति यदि बदल दी जाती है तो लंबे समय तक देश को गुलाम बनाए रखा जा सकता है। इसके अंतर्गत देश के उद्योग धंधे बंद कर दिए गए। देश के निवासियों को भूखे मरने पर बाध्य किया गया।उन्होंने महर्षि कणाद की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अणु परमाणु का ज्ञान सदियों पहले विश्व को दे दिया था परंतु आधुनिक विज्ञान में उनका नाम नहीं लिया जाता। उन्होंने कहा कि दशमलव पद्धति का ज्ञान भारत से शुरू हुआ। इसी से दुनिया में गिनती प्रारम्भ हुई। उन्होंने कहा कि पश्चिम में टुकड़ों टुकड़ों में ज्ञान देने की परम्परा है वहीं भारत आरम्भ से ही समग्र ज्ञान के विज्ञान से जुड़ा रहा। प्राचीन भारत कला, चिकित्सा, धातुविज्ञान आदि सभी में अग्रणी था।राज्यपाल ने बप्पा रावल की चर्चा करते हुए कहा कि अपने समय में उन्होंने अरबों को भारत से सौ साल के लिए खदेड़ा था। उन्होंने पाकिस्तान में पिंडी यानी विश्राम किया था। उनके नाम से फिर रावल पिंडी नगर बसा था। उन्होंने महर्षि अरविंद घोष के चिंतन आलोक में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने, संयम और शांति के साथ नैतिक मूल्यों को बढ़ाए जाने का आह्वान किया।सांसद मदन राठौड़ ने भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में आरम्भ से ही विज्ञान विकसित अवस्था में था। उन्होंने पुराणों की चर्चा करते हुए कहा कि उनमें जो उन्नत विमान, तकनीकी के किस्से कहानियां हैं, उनका आज वैज्ञानिक आधार दिखाई देता है।

जयपुर सेंट्रल जेल में विचाराधीन बंदियों के बीच जमकर मारपीट

7 बंदियों ने मिलकर एक को पीटा, सफाई की बात पर हुई बहस

जयपुर,वेब वार्ता। जयपुर सेंट्रल जेल में विचाराधीन बंदियों के आपस में झगड़ने का मामला सामने आया है। सफाई की बात को लेकर बंदियों की आपस में कहासुनी हुई। गाली-गलौज होने पर एक-दूसरे से जमकर मारपीट हुई।

जेल प्रशासन ने झगड़ने वाले बंदियों को काबू कर घायल का प्राथमिक उपचार करवाया। मामले में लालकोठी थाने में जेल प्रहरी की ओर से रविवार शाम रुक्का दर्ज करवाई गई।

हेड कॉन्स्टेबल कल्लाराम ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी योगेश कुमार (26) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जेल के वार्ड नंबर-2 की बैरक-1 में विचाराधीन बंदियों को रखा हुआ है।

सी-स्कीम का रहने वाला मनीष अजमेरा उर्फ मोंटू भी उसी बैरक में है। शुक्रवार दोपहर करीब 11:30 बजे बैरक में सफाई की बात को लेकर विचाराधीन बंदी मनीष अजमेरा की अन्य विचाराधीन बंदियों से कहासुनी हो गई। बहस बढ़ने पर गाली-गलौज करने लगे।

इसी बात को लेकर विचाराधीन बंदी मनराज, मनीष टेपर, महेन्द्र यादव, मुन्ना साबिर, मनीष, मोहित और मनोज ने गुट बना लिया। सातों बंदियों ने एक-जुट होकर बंदी मनीष अजमेरा के साथ मारपीट की।

मारपीट के दौरान हंगामा होने पर मौजूद जेल प्रहरियों ने बंदियों को काबू में किया। बैरक से निकाल सभी को अधिकारियों के सामने पेश किया गया।

बंदी मनीष के मामूली चोट आने पर प्राथमिक उपचार करवाया गया। जिसकी शिकायत पर जेल प्रशासन की ओर से लालकोठी थाने में आरोपी बंदियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई।

बच्चियों को मिलेगा फ्री रहने और खाने की सुविधा

जालोर, 29 जून (वेबवार्ता)। अल्पसंख्यक मामलात विभाग की ओर से संचालित जिला मुख्यालय स्थित राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्राओं को अंतिम तिथि तक आवेदन जमा करना होगा। कक्षा 9 से उच्चतर कक्षाओं की छात्राओं को मिलेगा प्रवेश जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एजाज अहमद ने बताया कि छात्रावास में कक्षा 9 से लेकर उच्चतर कक्षाओं और विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। अल्पसंख्यक समुदाय की मुस्लिम, जैन, सिख, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय की छात्राओं के साथ-साथ एससी, एसटी, ओबीसी और एमबीसी वर्ग की छात्राएं भी प्रवेश के लिए पात्र होंगी। 50 छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क सुविधा चयनित 50 छात्राओं को छात्रावास में निःशुल्क आवास और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग के अनुसार छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण रहने और अध्ययन का वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। वेबसाइट और कार्यालय से मिलेंगे आवेदन पत्र प्रवेश की इच्छुक छात्राएं या उनके अभिभावक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन पत्र जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय, नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड, जालोर से भी प्राप्त किए जा सकते हैं। 30 जून तक जमा कराने होंगे आवेदन पूरी तरह भरे हुए आवेदन पत्र 30 जून 2026 तक जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

बच्चियों को मिलेगा फ्री रहने और खाने की सुविधा

जालोर, 29 जून (वेबवार्ता)। अल्पसंख्यक मामलात विभाग की ओर से संचालित जिला मुख्यालय स्थित राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्राओं को अंतिम तिथि तक आवेदन जमा करना होगा। कक्षा 9 से उच्चतर कक्षाओं की छात्राओं को मिलेगा प्रवेश जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एजाज अहमद ने बताया कि छात्रावास में कक्षा 9 से लेकर उच्चतर कक्षाओं और विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। अल्पसंख्यक समुदाय की मुस्लिम, जैन, सिख, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय की छात्राओं के साथ-साथ एससी, एसटी, ओबीसी और एमबीसी वर्ग की छात्राएं भी प्रवेश के लिए पात्र होंगी। 50 छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क सुविधा चयनित 50 छात्राओं को छात्रावास में निःशुल्क आवास और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग के अनुसार छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण रहने और अध्ययन का वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। वेबसाइट और कार्यालय से मिलेंगे आवेदन पत्र प्रवेश की इच्छुक छात्राएं या उनके अभिभावक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन पत्र जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय, नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड, जालोर से भी प्राप्त किए जा सकते हैं। 30 जून तक जमा कराने होंगे आवेदन पूरी तरह भरे हुए आवेदन पत्र 30 जून 2026 तक जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है।

17 ट्रेनों में 40 एक्स्ट्रा कोच लगेंगेः

जोधपुर से गुजरने वाली कई गाड़ियों में एसी ,स्लीपर और जनरल श्रेणी बढ़ेगी; 1 जुलाई से मिलेगी सुविधा

जोधपुर,वेब वार्ता। ट्रेनों में लगातार बढ़ते यात्री दबाव को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों के लिए विभिन्न ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे लगाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 1 से 31 जुलाई तक अस्थायी रूप से लागू रहेगी। इस अवधि में 17 जोड़ी ट्रेनों में कुल 40 अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। इससे यात्रियों को अधिक सीट उपलब्ध होने के साथ वेटिंग लिस्ट में भी कमी आएगी।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार- बढ़ाए जा रहे अतिरिक्त कोचों में एसी, शयनयान और सामान्य श्रेणी शामिल हैं।

इन ट्रेनों में लगेंगे कोच

ट्रेन संख्या 22977/22978 जयपुर-जोधपुर-जयपुर इंटरसिटी सुपरफास्ट में 1 फर्स्ट कम सेकेंड एसी और 1 एसी थ्री टियर

ट्रेन संख्या 14801/14802 जोधपुर-इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस में 2 स्लीपर और 3 जनरल

ट्रेन संख्या 12465/12466 इंदौर-भगत की कोठी-इंदौर रणथंभौर सुपरफास्ट में 2 स्लीपर और 3 जनरल

ट्रेन संख्या 14853/14854, 14863/14864 और 14865/14866, जोधपुर-वाराणसी-जोधपुर मरुधर एक्सप्रेस में प्रत्येक में 1 एसी थ्री टियर

ट्रेन संख्या 14807/14808 जोधपुर-दादर-जोधपुर एक्सप्रेस में 1 एसी थ्री टियर और 2 स्लीपर

ट्रेन संख्या 20483/20484 भगत की कोठी-दादर-भगत की कोठी सुपरफास्ट में 1 एसी थ्री टियर और 2 स्लीपर

ट्रेन संख्या 04827/04828 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल में 1 एसी थ्री टियर व 2 स्लीपर

ट्रेन संख्या 20485/20486 जैसलमेर-साबरमती-जैसलमेर सुपरफास्ट में 2 एसी थ्री टियर व 1 स्लीपर

ट्रेन संख्या 20492/20491 साबरमती-जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट में 1 एसी थ्री टियर व 1 स्लीपर

ट्रेन संख्या 22497/22498 श्रीगंगानगर-तिरूच्चिराप्पल्ली-श्रीगंगानगर हमसफर सुपरफास्ट में 1 एसी थ्री टियर

ट्रेन संख्या 20481/20482 भगत की कोठी-तिरूच्चिराप्पल्ली-भगत की कोठी सुपरफास्ट में 1 स्लीपर

ट्रेन संख्या 12463/12464 दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला राजस्थान संपर्क क्रांति सुपरफास्ट में 1 एसी थ्री टियर, 1 स्लीपर व 1 जनरल

ट्रेन संख्या 12495/12496 बीकानेर-कोलकाता-बीकानेर प्रताप एक्सप्रेस में 1 एसी थ्री टियर और 1 स्लीपर

ट्रेन संख्या 22473/22474 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर सुपरफास्ट में जुलाई से 1 एसी थ्री टियर और 1 स्लीपर

ट्रेन संख्या 22491/22492 जोधपुर-दिल्ली-जोधपुर मंडोर सुपरफास्ट में 1 एसी टू टियर और 1 एसी थ्री इकोनॉमी कोच अस्थाई तौर पर जोड़ा जाएगा।

रेलवे प्रशासन ने कहा- जुलाई महीने के दौरान अतिरिक्त डिब्बों की इस व्यवस्था से लंबी दूरी की ट्रेनों में सीट बढ़ेगी।

संत कबीर दास के नाम पर प्रतियोगिताएं शुरू करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, 29 जून (वेब वार्ता)। संत कबीर दास के नाम पर दिल्ली सरकार प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार प्रारंभ करेगी, जिससे उनके विचारों, दोहों और मानवता के संदेश को युवाओं तक पहुँचाया जा सके। यह घोषणा रविवार को संत कबीर दास के प्रकटोत्सव के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली भारत की विविधता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिलता है।दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी संत कबीर दास के दोहे और शिक्षाएँ समाज को सही दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने जाति, पंथ और ऊँच-नीच से ऊपर उठकर प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि संत कबीर ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से समाज को समानता, सद्भाव, भाईचारे और मानवता का अमूल्य संदेश दिया। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता, सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

खतरनाक इमारतों को चिह्नित करने के सर्वे पर उठे रहे सवाल

नई दिल्ली, 29 जून (वेब वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में जर्जर हो चुकी खतरनाक इमारतों को चिह्नित करने के लिए हुए दिल्ली नगर निगम के सर्वे पर सवाल उठ रहे हैं। चांदनी चौक नागरिक मंच के महामंत्री एवं दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने मानसून पूर्व हुए सर्वे पर सवाल उठाते हुए महापौर प्रवेश वाही और निगमायुक्त संजीव खिरवार को पत्र लिखकर लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही सर्वे को वर्षभर चलने वाला कार्य बनाने का आग्रह किया है। प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि निगम अधिकारियों ने 27 लाख से अधिक संपत्तियों का सर्वे पूरा करने के बाद मात्र 19 खतरनाक इमारतें चिह्नित की हैं, जो स्पष्ट रूप से आपराधिक लापरवाही प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि सिटी सदर जोन जैसे दिल्ली के सबसे पुराने क्षेत्र में महज 4 खतरनाक संपत्तियों का मिलना हास्यास्पद है। कपूर का दावा है कि यदि महापौर और निगमायुक्त उनके साथ चलें तो वह अकेले चर्च मिशन रोड और खारी बावली में ही पांच खतरनाक इमारतें दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि चांदनी चौक, बल्लीमारन, सीताराम बाजार, जामा मस्जिद समेत छह वार्डों में कम से कम 25 कमजोर इमारतें हैं।

नेशनल अकाली दल के 30वें स्थापना दिवस पर 51 विशिष्ट हस्तियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 29 जून (वेब वार्ता)। नेशनल अकाली दल के 30वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आईटीओ स्थित उर्दू घर ऑडिटोरियम में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने की। इस अवसर पर समाज सेवा, चिकित्सा, शिक्षा, न्याय, व्यापार एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 51 विशिष्ट हस्तियों को एनएडी देश रत्न अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आरएन कालरा को चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं आजीवन योगदान को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथियों में उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व मंत्री व एफसीआई सदस्य सुजैन आनंद, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आदित्य सिंह भाटी, आचार्य जीतू सिंह सेलिब्रिटी वैदिक ज्योतिषी, मोहम्मद अली निजामी, फ्लास्क लेडी डॉ. उर्वशी मित्तल, गुरचरण सिंह राजू प्रमुख समाजसेवी सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.07.2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

बाडमेर, बाडमेर, 0138040700004628, 0138040730034178, 4197, 4198, 4199, जोधपुर, आकलीया सर्कल जोधपुर, 0114110700048023, 0114110730036800, महा मंदिर सर्कल, 0123010730048244, फलौदी शाखा राजस्थान, 0135610700017691, सरस्वती नगर जोधपुर, 0124320700038823, 0124320730039156, 9250, 9317, 9525, 9800, पाली, मानड्या रोड, 0115370700024010, 0115370730028715, सूरजपोल पाली, 0115410700029790, 0915, 0115410730028569, सिरोही, आबू रोड, 0138340700002149, 0138340730019441, 9442, गौशाला रोड शिवगंज, 0137980700004906, 4908, सिरोही राजस्थान, 0119970730040868,

ऊपर बताई गई नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्तियों को नीचे दी गई बातों का पालन करना होगा: इच्छुक बोली लगाने वालों को नीलामी के दिन ही एनईएफटी/आरटीजीएस के ज़रिए 10,000/- रुपये ईएमडी (जो बोली हारने वालों को वापस कर दिया जाएगा) जमा करना होगा। बोली लगाने वालों के पास वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड होना चाहिए। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया 9072607147 पर संपर्क करें।

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई रेस्टोरेंट मालिक की मौत

सिर पर लगी थी चोट; खाना खाने के बाद दोस्त के साथ बाइक पर घूमने निकले थे

कोटा,वेब वार्ता। कोटा के नयापुरा थाना क्षेत्र स्थित किशोर सागर तालाब के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 23 साल के युवक की जान चली गई। वहीं, साथी घायल हो गया।जानकारी अनुसार, घटना रात करीब 12:30 बजे की है। तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में स्टेशन निवासी भरत सिंह शेखावत के सिर में गंभीर चोट आई। पुलिस दोनों युवकों को तुरंत एमबीएस हॉस्पिटल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने भरत को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे युवक का उपचार जारी है।

रेस्टोरेंट चलाता था युवक

मृतक के पिता दिलीप सिंह शेखावत ने बताया- भरत ने कुछ समय पहले ही अपना रेस्टोरेंट शुरू किया था। रविवार रात रेस्टोरेंट बंद करने के बाद खाना खाकर 12 बजे दोस्त के साथ बाइक से घूमने निकला था। कुछ ही देर बाद दुर्घटना की सूचना मिली। परिजन अस्पताल पहुंचे, तब तक डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर चुके थे।

बेकाबू ट्रेलर फैक्ट्री के गेट में घुसा

बाइक सवार को टक्कर मारी, पोल से भिड़ा, ड्राइवर और मोटरसाइकिल सवार घायल

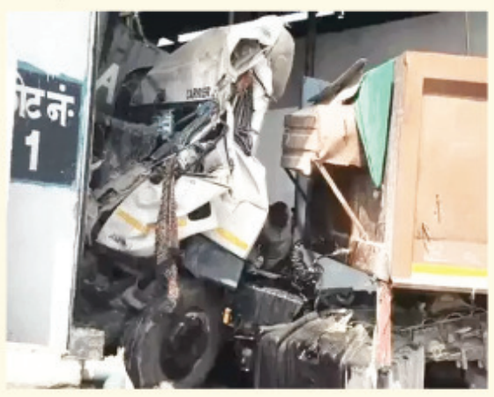

भीलवाड़ा,वेब वार्ता। भीलवाड़ा में कंक्रीट भरे ट्रेलर ने बेकाबू होकर बाइक सवार और लाइट पोल को टक्कर मार दी। इसके बाद एक प्रोसेस हाउस के गेट में जा घुसा। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। घटना में ट्रेलर का ड्राइवर और बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला मांडल थाना इलाके के मांडल रेलवे ओवरब्रिज के पास सोमवार सुबह का है।

जानकारी के अनुसार, सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेलर का ड्राइवर कंट्रोल खो बैठा। सड़क किनारे लगे पोल से टकराने के बाद एक बाइक को अपनी चपेट में लेता हुआ पास की फैक्ट्री के गेट में घुस गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कंपनी गेट के पास लगी मजबूत लोहे की सीढ़ियों के पोल से टकराकर ट्रेलर रुक गया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

हादसे में बाइक सवार और ट्रेलर ड्राइवर घायल

हादसे में ट्रेलर के ड्राइवर नंग सिंह (40) पुत्र हिम्मत सिंह निवासी जोधपुर और बाइक सवार राजू लाल (45) पुत्र हीरालाल गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से उप जिला चिकित्सालय मांडल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में दोनों को भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने शुरू की हादसे की जांच

हादसे की सूचना मिलने पर मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से हाईवे के खतरनाक मोड़ को दुरुस्त करने, संकेतक लगाने और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

अल्फा के प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंचीं आलिया भट्ट और शरवरी

जयपुर,वेब वार्ता। आगामी फिल्म अल्फा के प्रमोशनल टूर के तहत बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी सोमवार को जयपुर पहुंचीं। दोनों कलाकारों ने शहर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए प्रशंसकों और विद्यार्थियों से संवाद किया तथा फिल्म से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

प्रमोशनल दौरे की शुरुआत मिराज सिनेमाज से हुई। जहां आलिया और शरवरी ने प्रशंसकों एवं दर्शकों से मुलाकात की। इसके बाद दोनों कलाकारों ने जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी पहुंचकर छात्रों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने फिल्म अल्फा अपने दमदार एक्शन किरदारों की तैयारी और शूटिंग के अनुभव साझा किए। छात्रों ने भी कलाकारों से सवाल पूछे, जिनका दोनों ने उत्साहपूर्वक जवाब दिया।दौरे के दौरान दोनों अभिनेत्रियों ने जयपुर के प्रतिष्ठित पत्रिका गेट का भी भ्रमण किया।

स्वत्वाधिकारी स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक युवराज सिंह के लिए सोनू वेब ऑफसेट, प्लॉट नं. 28, विवेकानन्द कॉलोनी पूर्व की तरफ, सिरोही बाई-पास सिरोही से मुद्रित व गोगाजी मंदिर के सामने, हिम्मतरामजी माली का मकान, राजेन्द्र नगर जालोर से प्रकाशित। सम्पादक युवराज सिंह, पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से सम्पादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय सम्बन्धी सभी मामले जयपुर में निपटाये जायेगें। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना पूर्णतः व आंशिक व पूर्ण प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबन्धित है। सम्पादक-युवराज सिंह मोबाईल नम्बर : 9829410051 ई-मेलः yuvrajsinghh@gmail.com